तीसरे अशरे पर मस्जिदों में बढ़ी चहल-पहल

ईदगाह मैदान का जायजा लेते एसडीएम विवेक श्रीवास्तव। जागरण

फतेहपुर, जागरण संवाददाता : रविवार को देर शाम इशा अजान बाद रमजान-उल-मुबारक माह का तीसरा अशरा शुरु हो गया, जिसमें कुछ रोजेदार मस्जिदों के भीतर जाकर एतफाक पर बैठ जाते हैं और ईद का चांद निकलने पर ही मस्जिदों के बाहर निकलते हैं। उस बीच रोजेदार पाक-ए-कुरान की तिलावत कर तरावीह पढ़ते हैं। आखिरी अशरे में अल्लाह-ताला इबादत गुजार रोजेदार बंदे की हर जायज दुआ को कुबूल करता है। शरीयत में इबादत की नियत से मस्जिदों में ठहरने को एतकाफ कहते हैं जिसमें पांचों वक्त की नमाज अदा करने के साथ तरावीह पढ़ी जाती है। अल्लाह-तआला ने इस अशरे में शब-ए-कद्र की रात बनाई है। शहरकाजी मौलाना कारी फरीदउद्दीन कादरी

रमजान-उल-मुबारक माह

- देर शाम इशा अजान बाद माह का तीसरा अशरा शुरू
- इस अशरे में शब-ए-कदर की फजीलत वाली रात

कहते हैं कि माहे रमजान की इक्कीस, तेईस, पच्चीस व सत्ताईस की शब में शबेकदर होती है इन रातों में अल्लाह-तआला अपने बंदों द्वारा मांगी गई गुनाहों से माफी कुबूल फरमाता है। कहा कि गरीबों को जकात अवश्य अदा करें जिस तरह रोजा रखकर इंसान की रुह पाक साफ हो जाती है उसी तरह जकात देने से उस इंसान का माल भी पाक हो जाता है। आखिरी अशरे में खूब इबादत करें और यतीमों व मजलूमों पर ईद के दिन पूरा ख्याल रखें।

एसडीएम ने किया ईदगाह का निरीक्षण : उपजिलाधिकारी सदर विवेक श्रीवास्तव के नेतृत्व में क्षेत्राधिकारी नगर समरबहादुर सिंह, अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका रश्मि भारती आदि की टीम रविवार को शाम 5 बजे ईदगाह पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। ईदगाह प्रांगण पर जहां टर्र का मेला लगता है वहां पर बारिश की वजह से जलभराव था। जिस पर एसडीएम ने नगरपालिका सफाई नायक को साफ सफाई करने के निर्देश दिए। उसके बाद प्रशासनिक अफसरों की टीम शहर क्षेत्र के पनी मोहल्ला स्थित मुचियानी वाली मस्जिद परिसर जाकर साफ-सफाई का जायजा लिया।